RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 20 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 23 अक्टूबर 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

आशा-उम्मीद में झूलते लोग

मोदी के दौरे से उत्तराखण्ड चुनाव मोड में

पुष्कर धामी का कद बढ़ा, लोकसभा सीटों पर भाजपा के चेहरे बदलने तय

कार्यालय प्रतिनिधि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्तराखण्ड में ताजा दौरे की हलचल बनी हुई है। सीमान्तवासी जहाँ आशा-उम्मीद के झूले झूल रहे हैं वहीं विपक्ष ने मोदी के पूरे दौरे को विशुद्ध रूप से चुनावी दौरा करार दिया है। उनका कहना है कि धार्मिक स्थलों में जाकर भी राजनीति को भुनाने का काम किया जा रहा है।

फिलहाल पक्ष-विपक्ष दोनों लोकसभा चुनाव के लिये कमर कसने जा रहे हैं। प्रदेश एकदम चुनाव मोड में है। मोदी के दौरे में उम्मीद थी कि वह पाँचवे धाम के रूप में में जागेश्वर या गुंजी की घोषणा करेंगे लेकिन उन्होंने कई जगह का उल्लेख कर लोगों को मुस्कान दी। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी कहते रहे कि मानसखण्ड से विकास होगा। मोदी ने पहाड़ के पहनावे और पूजा-पाठ की पूरी प्रक्रिया सहित जिस प्रकार से जनता के बीच अपने को प्रस्तुत किया उससे आम जनता को प्रभावित है ही। मोदी ने कहा- मैं भी उत्तराखण्डी। देवभूमि से मुझे अगाह लगाव है। यह शिव की भूमि है। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के लिये जिस सम्मान के साथ मंच से कहा उससे धामी का कद बढ़ा है। उत्तराखण्ड प्रदेश सरकार की प्रशंसा करते हुए मोदी ने विश्वास जताया कि देवभूमि फिर से भाजपा को अवसर देने वाली है।

मोदी के दौरे में जिस प्रकाश का 'शो' हुआ वह एकसाथ कई पर निशाना था। चीन सीमा से लेकर जागेश्वर तक जिस प्रकार की भव्य तैयारी थी वह भगवा रंग से रंगी थी। प्रदेश की पूरी कैबिनेट मोदी की सभा के लिये मौजूद थी। संगठन के प्रमुख लोग भी अपनी पड़ताल कर रहे थे। ऐसे में माना जा रहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव

विपक्ष ने प्रधानमंत्री के दौरे को उनका चुनाव प्रचार अभियान बताया है

में भाजपा सीटों पर चेहरे बदल भी सकती है। जैसा कि देखा भी जा रहा है कि मोदी की लहर को देखते हुए दावेदारों की संख्या भी ज्यादा है। ऐसे में पार्टी को छंटनी तो करनी ही होगी।

प्रधानमंत्री के दौरे को मानसखण्ड विकास के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है लेकिन इसका प्रमुख निशाना लोकसभा चुनाव को लेकर भी है। इसी लिये विपक्ष का सीधा कहना है कि पीएम का दौरा चुनाव प्रचार है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने प्रधानमंत्री मोदी के आदि कैलास, गौरीकुंड, जागेश्वर के भ्रमण को विशुद्ध रूप से राजनीतिक करार देते हुए कहा कि इससे उत्तराखण्ड को कुछ हासिल नहीं हुआ है। कहा कि प्रधानमंत्री ने केदारनाथ और बद्रीनाथ के बाद अब मानसखण्ड के नाम पर कुमाऊँ ही नहीं देश के लोगों की भावनाओं से खेलना शुरु कर दिया है। मोदी 6 बार आकर केदारनाथ में कई योजनाओं का शिलान्याश कर चुके हैं लेकिन आज तक भी केदारनाथ में बाबा केदारनाथ की भोग मण्डी नहीं बन पायी है। अभी भी बाबा केदारनाथ के मुख्य पुजारी, वेदपाठी और कर्मचारी बिना आवास के रह रहे हैं। मोदी धार्मिक स्थलों की यात्रा में भी राजनीति कर रहे हैं।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने प्रधानमंत्री मोदी के दौरे को घोर निराशाजनक, राजनैतिक, धार्मिक, सैरसपाटा और जनता को गुमराह करने वाला बताया है। माहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री राज्य की जनका को निराश और झूठी घोषणाओं की बरसात कर भ्रमित कर गये हैं। कहा कि प्रधानमंत्री उत्तराखण्ड का कई बार दौरा कर चुके हैं लेकिन हर बार राज्य की जनता के हाथ खाली रह जाते हैं। उन्हें न तो राज्य के आपदा पीड़ित क्षेत्रों का ख्याल आता है और न यहाँ के पलायन का और न ही बढ़ती बेरोजगारों की फौज का।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

रामलीला की नुमाइश

मर्यादापुरुषोत्तम भगवान राम की लीला का मंचन शुरु हो चुका है। रामलीला के रूप में अट्टाहस न करने वाले राम की लीला को धार्मिक अनुष्ठान के रूप में मनाने की परम्परा है और मंचन करने वाले पात्र पूरी पवित्रता के साथ इस यज्ञ में भागीदारी करते हैं। रामलीला में भागीदारी करने वाले सभी इसे महायज्ञ मानकर अपने को धन्य मानते हैं। यही पहाड़ की परम्परा भी है लेकिन वर्तमान में रामलीला की जिस प्रकार से नुमाइश बनाई जा रही है वह कतई मुंह चिढ़ाने वाली और इसकी पवित्रता को भंग करने वाली है। इसकी शुरुआत मंच में नेताओं को बुलाकर प्रोत्साहित करने से हो जाती है। अतिथि के रूप में आने वाले मर्यादा पुरुषोत्तम से ज्यादा अपने पार्टी प्रचार करने लगते हैं। इसी प्रकार रामलीला कमेटियों में कब्जे के लिये भिड़ने की कई घटनाएं दिखाई दी हैं। इसके अलावा राम बारात या इस प्रकार के अन्य दृश्यों के लिये जिस प्रकार का तमाशा बनाया जाने लगा है वह रामलीला अनुष्ठान के मूल भाव को कम कर जाता है। राम बारात में पार्टियों या गुटों के साथ भागीदारी दिखाई दी है। रावण दरबार या शूर्पनखा नृत्य में बेहुदे नृत्यों व सड़कछाप नाचने वालों को आमंत्रण करना बता रहा है कि रामलीला से ज्यादा इसकी आड़ में नुमाइश मनोरंजन को गढ़ा जा रहा है।

पूर्वजों का मूल स्थान ढूंढने अयोध्या से अस्कोट पहुँचे अखिलेश पाल

अस्कोट। इतिहास को टटोलने का काम हर युग में होता रहा है और आदम जाति अपने मूल को जानने के लिये उत्सुक रहती है और अपने मूल से जुड़ना भी चाहती है। सैकड़ों वर्ष और कई पीढ़ी बाद अपने पूर्वजों का नाम लेकर जड़ ढूंढने अयोध्या से अस्कोट पहुँचे हैं अखिलेश पाल। उनका दावा है कि पाल राजबंश उनका है। स्वयं को पाल राजबंश का बताने वाले अखिलेश ने बंशावली दिखाकर बताया कि अभिनाश नाथ पाल महसो राजघराने के वारिस हैं। 50 वर्षीय अखिलेश का कहना है कि 1279 में अस्कोट में पाल वंश के प्रथम शासक राजा अभय पाल की निर्भय पाल, अलखदेव पाल और तिलकदेव पाल नाम की तीन सन्तानें थीं। सन् 1305 में जब अलखदेव व तिलकदेव पाल अयोध्या में राम दर्शन को गए तब बस्ती जिले में मडझोलीराज क्षेत्र में राजभरो का शासन था। जनता उनके अत्याचारों से त्रस्त थी। राजपुत्रों ने जनता पर हो रहे अत्याचारों को देख राजभरी पर आक्रमण कर जनता को मुक्त कर वहाँ का राजपाट संभाला। इस प्रकार 1305 से अलखदेव पाल ने मझोलीराज की गद्दी प्राप्त की और 14 कोस रियासत के राजा बने। इसके बाद महुली, माहसी, बानपुर और हरिहर पुर स्टेट में शासन स्थापित किया। वर्तमान में अन्तिम राजा काशीनाथ बहादुर पाल के पुत्र कुंवर कैलाशनाथ पाल और अभिनाशनाथ पाल राजघराने के वारिस हैं।

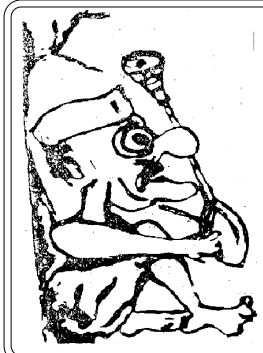

फसक

दाज्यू, चुनौती तो मिलने ही वाली ठैरी

साज-मसाज की डिमाण्ड चारों ओर बहुत हो रही है बल

दाज्यू, अपने मोदी ज्यू का दौरा जब से हुआ है जागेश्वर में गैंदा-चमेली की खुशबू महक रही है। टनों फूल लाद दिये गये थे मन्दिर सजाने को और स्वागत को। हम भी चमेली की खुशबू के मारे जागेश्वर में रमे थे लेकिन बोकल ह्यांकी का फोन आ गया कि आदि कैलाश दर्शन के लिये जाना है। दाज्यू, जैसे ही यात्रा शुरु की पता चला मोदी ज्यू के लौटने के बाद अभी समेटासमेट हो रही है। बड़ा मूड खराब हुआ और अल्मोड़ा चल दिये। अल्मोड़ा सांस्कृतिक नगरी ठैरी। एसएसजे परिसर में छात्र संघ चुनाव से पहले लौंडों मोड़ों के बीच लात-घूंसे चल रहे थे। एबीवीपी और एनएसयूआई कार्यकर्ता कई दिनों से जगह-जगह भिड़ रहे हैं बल। दाज्यू, एबीवीपी नेता गुलिया कह रहा था- 'सरकार हमारी है। देख लेंगे।' दाज्यू, एनएसयूआई वाला दिपाकर भी जोश में कह रहा है- 'हरीश रावत की देन है। देखते हैं कौन क्या कर लेता है।' दाज्यू, चुनौती तो मिलने ही वाली ठैरी। चुन-चुन कर नेता बनाने वाली जनता ही तो जनमत की भगवान हुई। घोर कलजुग चल रहा है। साज-मसाज की डिमाण्ड चारों ओर बहुत हो रही है बल।

गरीब आदमी बेचारा क्या करे? सब्जी और फल इतने महंगे हो चुके हैं कि उनके छिक्कल तक नसीब नहीं हो रहे। मसाज की तो सोच भी नहीं सकते हैं। बबलू कह रहा है- 'गोवा जाकर मसाज करवाएगा। साज-श्रृंगार अपने ही शहर में मिल जाता है।' जगत की रीति ठैरी दाज्यू। कौन करेगा, कौन भरेगा पता नहीं। लूंण-रोटी के जुगाड़ में कितने ही मर-मिट गए। गौलापार में दिव्यांग बच्चों के आवासीय विद्यालय के संचालक को नाबालिक से अश्लील हरकत करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल लगातार स्पा सेन्टरों में छापेमारी कर रहा है। कई बार जोड़ों की पकड़-धकड़ होती है बल। मसाज कराने वालों की इंट्री न होने पर भी चालान हुआ। दाज्यू, ये साज-मसाज ऐसा ही होने वाला ठैरा। जिस कार्बेट टाइगर रिजर्व के पाखरे रेंज में निर्माण घोटाले के मामले में पूर्व डीएफओ और पूर्व रेंजर के घर छापामारी हुई। देखो आगे-आगे क्या होता है।

हल्द्वानी के एक युवक को फिनलैंड में नौकरी दिलाने के नाम पर 9 लाख से ज्यादा ठग लिये बल। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। काशीपुर के थाना क्षेत्र ग्राम बयलावाला निवासी हरचरन के भी जमीन बेचने के नाम पर एक करोड़ रुपये से ज्यादा हड़प लिये गये है बल। पुलिस ने धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को पकड़ लिया है। दाज्यू, एक से एक खतरनाक भरे पड़े हैं दुनिया में। दून पुलिस ने बिजनौर निवासी जलील रहमान को गिरफ्तार किया है जो फर्जी दस्तावेज बनाकर रक्षा मंत्रालय की जमीन बेच रहा था।

दाज्यू, छोड़ो इन चोरी-चकारी की फसक.....। अम्बानी ने बदरी-केदार मन्दिर को 5 करोड़ का दान किया है। देश के सेठ ज्यू ठैरे अम्बानी। सेठ तो बहुत होते हैं लेकिन देने की नीयत भी कुछ चीज ठैरी। बद्रीकेदार अम्बानी की भली करें। हल्द्वानी शहर की सड़कों पर घूम रहे लावारिस सांडों को बाजपुर गोशाला भेजा जाएगा बल। नगर निगम के पास फिलहाल इतनी व्यवस्था नहीं है कि आवार पशुओं को रख सके। बाद में 2000 पशुओं का आश्रय स्थल बनाया जायगा। दाज्यू, आवारा सांडों से हमें याद आ रहा है कि आश्रय मिलने के बाद डा.चुहान ने गाजर-मूली-चुकन्दर सभी चट कर डाले.....। दाज्यू, क्या बताएं दुनिया में कई प्रकार के रोग ठैरे। साज मसाज की डिमाण्ड करने वालों की कोई उम्र थोड़ा ही होती है। दान-दक्षिणा के नाम पर उल्टी करने वाले अपनी डिमाण्ड के लिये घेराबाड़ी करने वाले हुए। दाज्यू, कर लेने दो मन की। कोहरा एक दिन छंट ही जाएगा।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

मांग

हिमालय क्षेत्र के विकास के लिये बने प्राधिकरण

सांस्कृतिक एवं पारम्परिक व्यवस्था के संरक्षण के लिए लागू हो इनर लाइन

पिथौरागढ़। चीन सीमा पर स्थित जिला पंचायत सीट के सदस्य जगत मर्तोलिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम का ज्ञापन जिला अधिकारी रीना जोशी को सौपा। उन्होंने हिमालय क्षेत्र के विकास के लिए हिमालय विकास प्राधिकरण बनाए जाने की मांग की। उन्होंने उत्तराखण्ड के तीन जनपदों में स्थित जनजाति क्षेत्र को इनर लाइन की परिधि में ले जाने की मांग की। कैलाश मानसरोवर यात्रा का मार्ग मुनस्यारी के जोहार घाटी से किए जाने की मांग भी उठाई गई।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए उनसे अपेक्षा की है कि उनका ज्ञापन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुँचा दिया जाए। उन्होंने ज्ञापन में हिमालय क्षेत्र के विकास के लिए वैज्ञानिक आधार पर अलग नीति बनाए जाने को लेकर हिमालय विकास प्राधिकरण बनाने की घोषणा करने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण में स्थानीय जनता से चुने गए प्रतिनिधियों को भी नामित किए जाने की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि नौकरशाहों के बन्द कमरे में बनने वाली योजनाओं से क्षेत्र को निजात मिल सके। उन्होंने कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग को धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जोहार घाटी से संचालित करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी अस्थि कलश भी कैलाश मानसरोवर के लिए विकासखण्ड मुनस्यारी स्थित जोहार घाटी से ही कैलाश को ले जाए गए थे। कहा कि उत्तरकाशी, चमोली तथा पिथौरागढ़ जनपद के हिमालय से लगे जनजाति क्षेत्र की सांस्कृतिक एवं पारम्परिक व्यवस्था को बचाने के लिए इन क्षेत्रों को इनर लाइन की परिधि में लाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इनर लाइन के भीतर आने वाले पर्यटकों एवं अन्य लोगों के लिए अनुमति पत्र के लिए सिंगल विंडो सिस्टम की आनलाइन व्यवस्था भी होनी चाहिए।

जिला पंचायत सदस्य ने कहा कि हिमालय क्षेत्र के अन्तर्गत आजीविका के क्षेत्र में विशेष प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। चीन सीमा से लगे इन दुर्गम क्षेत्रों में शिक्षकों तथा चिकित्सकों सहित मेडिकल स्टाफ की भर्ती के लिए स्पेशल कोटा निर्धारित किया जाना चाहिए। उन्होंने क्षेत्र में जंगली जानवरों तथा आवारा पशुओं से पूरे नुकसान को रोकने के लिए भारत सरकार की ओर से विशेष बजट दिए जाने की मांग भी की।

उन्होंने इन क्षेत्रों में रहने वाले जनजाति तथा अन्य समुदाय के विद्यार्थियों के लिए आधुनिक छात्रवास का निर्माण किए जाने की मांग भी राखी। कहा कि संचार की व्यवस्था को दुरुस्त कराए जाने के लिए इस क्षेत्र में मोबाइल टावरों के निर्माण के लिए भी भारत सरकार से विशेष बजट दिए जाने की मांग की। चीन सीमा से लगे इन क्षेत्रें के विकास में स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पूर्व में नियम कानून का उल्लंघन करते हुए घुसपैठ कर चुके बाहरी लोगों को इस क्षेत्र से वापस भेजे जाने की मांग भी उठाई।

उन्होने कहा कि विकासखण्ड धारचूला तथा मुनस्यारी के पिछड़ी जाति समुदाय को केन्द्रीय आरक्षण का लाभ मिलने तक ईडब्ल्यूएस का लाभ दिए जाने के लिए तत्काल शासनादेश निकालने के लिए भारत सरकार पहल करें।

पिथौरागढ़-गंगोलीहाट वाया चण्डाक सड़क मामला भी लम्बित है

प्रधानमंत्री मोदी का पिठौरागढ़ दौरा काफी महत्वपूर्ण रहा है। कई नयी योजनाओं की घोषणा इसमें हुई और कुछ पुरानी अधूरी लम्बित योजनाओं को भी पुनर्जीवन मिला है। इसके बावजूद कुई महत्वपूर्ण कार्य अभी होने हैं। ऐसी एक अधूरी सड़क योजना पिथौरागढ़-गंगोलीहाट वाया चण्डाक बाँसपटान है जो वर्षों से लम्बित है, कारण रामगंगा नदी पर पुल का न बन पाना जिस कारण से बांसपटान, छाना आदि ग्रामवासियों के साथ-साथ हाट कालिका मन्दिर व पाताल भुवनेश्वर दर्शन को आने वाले पर्यटकों को गंगोलीहाट आने के लिये पहले पठौरागढ़ फिर वहाँ से घाट या थल होते हुवे आना पड़ता है जिससे समय और यात्रा खर्च जरूरत से ज्यादा लगता है।

राज्य को बने हुवे 25 साल हो चुके हैं और यह लम्बित योजना अभी तक पूरी नहीं हुई। नदी के दोनों तरफ सड़क बन कर तैयार है बस पुल का इन्तजार है। देखते हैं धामी सरकार कब तक हरकत में आती है और इस अधूरी योजना को गति मिलेगी ताकि क्षेत्रवासियों को सुगमता मिल सके।

-उमेश चन्द्र पाँडे

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

अभियान

मोटे अनाज की सांस्कृतिक कड़ियों को जोड़ने में उपयोगी सिद्ध होंगे

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

स्वतंत्रता के बाद भी किसानों की स्थिति में अपेक्षित रूप से सुधार नहीं हो पाया। इसके कई कारण रहे हैं। इनमें प्रमुख रहीं वे नीतियां, जिन्होंने संसाधनों का दोहन करने वाली खेती को बढ़ावा देकर बड़े किसानों को लाभ पहुँचाया।भारत में कृषि नीति का स्वरूप बेहद खराब रहा है, जिसमें स्पष्ट रूप से गेहूँ और चावल पर जोर दिया गया। यह दृष्टिकोण न केवल भौगोलिक रूप से अनुचित है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से भी प्रतिकूल है, क्योंकि इसमें भूमि, जल और उर्वरक जैसे संसाधनों का भारी दोहन होता है। गेहूँ-धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी के साथ ही संसाधन-संपन्न खरीद प्रक्रिया और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से वितरण ने बाजार में विकृतियों को जन्म दिया। हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों में यह प्रत्यक्ष रूप से दिखता है, जहाँ किसानों की पहलीप्राथमिकता ही गेहूँ और धान की खेती होती है, जिसे व्यापक रूप से सरकारी खरीद नीति से प्रोत्साहन मिला है। इससे अन्य फसलों की खेती बुरी तरह प्रभावित हुई और कृषि विविधीकरण को आघात पहुँचा है। पंजाब और हरियाणा में विशेष रूप से धान की खेती के पर्यावरणीय दुष्प्रभाव देखने को मिले हैं। इन क्षेत्रों में भूजल स्तर बहुत घटा है, क्योंकि इन फसलों में पानी की बहुत खपत होती है। खेती के इस चलन की एक बड़ी खामी यह भी है कि इससे मुख्य रूप से बड़े किसान ही लाभान्वित होते हैं। चावल और गेहूँ के प्रति नीतिगत झुकाव ने इन फसलों के लिए बिजली, उर्वरक और सिंचाई सब्सिडी की उपलब्धता को सुव्यवस्थित किया है। इसके बावजूद एक सवाल यह उठता है कि क्या केवल इन दो फसलों पर हद से ज्यादा ध्यान देने से किसानों का कुछ भला हुआ है। जवाब है-नहीं।इस प्रकार की परिपाटी ने केवल खेती का ही अहित नहीं किया है, बल्कि लोगों की खानपान की आदतों को भी बदला है, जिसके दुष्प्रभाव सेहत पर स्पष्ट रूप से दिखते हैं। गेहूँ और चावल के चलते भारतीयों की थाली से ज्वार, बाजरा और अन्य पोषक खाद्य पदार्थ गायब होते गए। गेहूँ और चावल में कार्बोहाइड्रेट की अधिक मात्र होने से उनका सेवन कई बीमारियों को आमंत्रण दे रहा है। खासतौर से निष्क्रिय जीवनशैली वाले लोगों के लिए यह तमाम जोखिम बढ़ा रहा है। इस कारण मोटापा, मधुमेह और दिल से जुड़ी बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। नगरीय क्षेत्रें में बिगड़ती जीवनशैली और सांस्कृतिक परिवर्तनों से यह खतरा और बढ़ गया है। अच्छी बात है कि सरकार ने इस स्थापित हो चुकी परम्परा को बदलने के प्रयास आरम्भ कर दिए हैं। सरकार कृषि विविधीकरण को बढ़ावा दे रही है। कई राज्य भी इसमें केन्द्र सरकार के साथ ताल मिलाने के लिए आगे आए हैं। केन्द्र सरकार ने मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर भी आह्वान किया है। इन्हीं प्रयासों के चलते इस वर्ष को 'अन्तरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है। प्रत्येक भारतीय की थाली में मोटे अनाजों की वापसी का विचार भी इस मुहिम के मूल में है। प्रधानमंत्री ने हाल में मोटे अनाजों को न केवल छोटे किसानों के लिए लाभकारी, बल्कि खाद्य सुरक्षा, जीवनशैली से जुड़ी व्याधियों और जलवायु परिवर्तन की चुनौती से मुकाबला करने में बेहद उपयोगी बताया। उनका मानना है कि मोटे अनाजों की वैश्विक ब्रांडिंग भारत के 2.5 करोड़ छोटे एवं सीमान्त किसानों की आजीविका को बड़ा सहारा देगी। इस प्रोत्साहन का ही परिणाम है कि 2018 से मोटे अनाज उत्पादक 12 राज्यों में प्रति व्यद्रि मोटे अनाजों का उपभोग दो से तीन किलो प्रतिमाह से बढ़कर 14 किग्रा हो गया।मोटे अनाजों से मिलने वाले लाभों की सूची बहुत लम्बी है। पोषक तत्वों से परिपूर्ण इन खाद्य उत्पादों में प्रोटीन, डाइटरी फाइबर, कई प्रमुख विटामिंस, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस और पोटेशियम जैसे कई महत्वपूर्ण खनिज होते हैं। इनका अपेक्षाकृत कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स मधुमेह प्रबन्धन में उपयोगी होता है। ये इम्युनिटी बढ़ाकर शरीर को रक्षा कवच भी प्रदान करते हैं। इन्हें पानी की किल्लत वाले शुष्क एवं अर्ध-शुष्क इलाकों में भी उगाया जा सकता है। पानी के उपयोग की अपनी किायती प्रकृति के कारण ये पर्यावरण हितैषी भी हैं, जो परिस्थितियों से भली प्रकार अनुकूलित होने की क्षमता रखते हैं। कृषि जैव-विविधता में महत्वपूर्ण योगदान के अलावा ये खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के साथ ही कीटों के हमले और बीमारियों से सुरक्षा में भी सहायक हैं। इससे कुछ फसलों पर अत्यधिक निर्भरता के जोखिम से बचाव भी सम्भव है। स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के कारण इनका सही प्रचार किसानों को प्रीमियम दाम दिलाकर उनका आर्थिक कायाकल्प करने में भी सक्षम है। इनपुट के स्तर पर अपेक्षाकृत कम आवश्यकताओं की वजह से ये खेती के तौर-तरीकों में क्रान्तिकारी परिवर्तन कर सकते हैं। अन्य फसलों की तुलना में कीटनाशकों और उर्वरकों की कम जरूरत किसानों पर आर्थिक बोझ घटाएगी और इससे पर्यावरण की रक्षा को बल मिलेगा। मोटे अनाजों की खेती और उपभोग में नए सिरे से तेजी भारतीय संस्व्रति के साथ हमारी कड़ियों को भी जोड़ेगी, क्योंकि ये अनाज सदियों से भारतीय थाली का अभिन्न अंग रहे हैं। कुल मिलाकर, भारतीय कृषि नीति में यह नया रुख-रवैया खेती-किसानी और पोषण के मोर्चे पर नए परिवर्तन की आवश्यकता को मजबूती से रेखांकित करता है। इसलिए अधिक विविधतापूर्ण, टिकाऊ और स्वस्थ भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए आवश्यक है कि मोटे अनाजों को दिए जा रहे प्रोत्साहन की गति एवं उत्साह को निरंतर तेजी मिलती रहे। पहाड़ी अनाजों को रोजगार और सेहत दोनों के साथ जोड़ कर मैंने काम किया, इनसे कई तरह के व्यंजन बनाए, लोगों को खिलाया और एक नई रेसिपी तैयार की। पहले लोग कहते थे कि गाँव से मंडुवा खाकर आए हैं, क्या देहरादून आकर भी मंडुवा ही खाएंगे। गरीबों का अनाज कहकर जिसका मजाक उड़ाया गया वो अब हर किसी की पसन्द बन गया है। आनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म पर गेहूँ का आटा तकरीबन 50 रुपए किलो तो मंडुवे का 150 रुपए किलो से अधिक कीमत पर मिल रहा है। मोटे अनाज हमारे भोजन और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा हैं। कन्नड़ भाषा में पंचरत्न का बड़ा उल्लेख है, ये पंचरत्न हैं-कोदा, कावणी, रागी, सांवा और हरा सांवा। इन पोषक अनाजों के लिए सिंचाई की जरूरत भी कम रहती है। गेहूँ और चावल के उत्पादन के लिए जितना पानी साल भर में इस्तेमाल किया जाता है उतने पानी में 25 से 30 तक मोटे अनाज उगाए जा सकते हैं। बच्चों को माता-पिता बचपन से ही अच्छे संस्कार दें ताकि जिससे वे स्वच्छ समाज के निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभा सकें। जलवायु परिवर्तन और मिट्टी की उर्वरा शक्ति क्षीण होने के दौर में श्रीअन्न का महत्व बढ़ जाता है। ये ऐसे अनाज हैं, जिन्हें उपजाने में कम पानी की जरूरत पड़ती है। इनकी फसलें बंजर जमीन में भी बिना मेहनत पनप जाती हैं। बाजरा, मड़ुआ, कोदो, सांवा, कोइनी, कुटकी, कंगनी, जौ, लाल धान, दलहन में कुल्थी, अरहर और मसूर के साथ तेलहन में मलकोनी, अलसी एवं तिल जैसे अन्न की खेती के लिए खास उपक्रम की जरूरत नहीं पड़ती है। कोदा-झंगोरा खाएंगे, उत्तराखंड बनाएंगे, उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन के दौरान बच्चे से लेकर बूढ़ों तक की जुबां पर यह नारा आम था। लेकिन, राज्य गठन के 23 वर्षों बाद प्रदेश में कोदा-झंगोरा मिलना किस कदर मुश्किल हो चला है।

ज्योतिष की बातें - 149

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य किसी भी ग्रह का गोचर परिवर्तन नहीं हो रहा है ।

हेमन्त ऋतु प्रारम्भ- 23 अक्टूबर 2023 को सूर्य सायनमान से वृश्चिक राशि में प्रवेश करेगा, हेमन्त ऋतु का प्रारम्भ हो जाएगा । जो लोग वर्ष भर त्रिफला चूर्ण का सेवन करते हैं उन्हें अगले दो माह छठा भाग सोंठ का चूर्ण मिलकर त्रिफला का सेवन करना चाहिए ।

दुर्गा विसर्जन- मंगलवार 24 अक्टूबर को प्रात:काल दुर्गा विसर्जन के साथ ही नवरात्रि का समापन हो जाएगा ।

विजयादशमी- आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी अपराह्नव्यापिनी तिथि में विजयदशमी का पर्व मनाया जाता है तदनुसार मंगलवार 24 अक्टूबर को विजयादशमी अर्थात् दशहरा का पर्व मनाया जाएगा ।

शरद् पूर्णिमा- अश्विन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा प्रदोष एवं निशीथ उभयव्यापिनी तिथि में शरद पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार शनिवार 28 अक्टूबर को शरद् पूर्णिमा का पर्व मनाया जाएगा। लेकिन उसी रात चन्द्र ग्रहण होने के कारण खीर आदि पक्वान्न का नैवेद्य नहीं चढ़ सकेगा। अगले दिन सूर्योदय के बाद ही व्रत की परणा व भोजन होगा ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

सम्यक् विचार- 40

जातिगत जनगणना और आरक्षण

कुछ लोगों का मत है कि पूरे देश में जातिगत जनगणना कराई जाए जिससे कि किस जाति की कितनी जनसंख्या है यह जानकारी हो सके। इसके बाद फिर वही लोग जातियों की जनसंख्या की अनुपात में आरक्षण की मांग करेंगे। अभी एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों को नौकरी आदि में आरक्षण प्राप्त होता है। इसमें दो समस्याएं हैं। एक तो प्रत्येक आरक्षित वर्ग में सैंकड़ों जातियाँ हैं, उनमें जो सम्पन्न जातियाँ हैं, वे ही उस वर्ग में सम्पूर्ण आरक्षण का लाभ ले लेते हैं शेष अन्य जातियों की स्थिति वही बनी रहती है। दूसरी समस्या है कि आरक्षण प्रत्येक विभाग में, यहाँ तक कि कहीं-कहीं प्रत्येक कार्यालय स्तर पर दिया जाता है तो प्रत्येक कार्यालय में दो प्रकार के वर्ग बन जाते हैं। एक आरक्षण के आधार पर नौकरी पाने वाले, दूसरे योग्यता के आधार पर नौकरी पाने वाले। इस कारण प्रत्येक कार्यालय में दो गुट बने होते हैं जिनमें प्राय: घृणा और द्वेष देखा जाता है। ये आरक्षित और अनारक्षित वर्ग के कर्मचारी आपस में घुलमिल कर नहीं रहते हैं इससे कार्यालय का कार्य भी प्रभावित होता है।

मेरे विचार से आरक्षण विभाग या कार्यालय स्तर पर न दिया जाए बल्कि दूसरे प्रकार से दिया जाए। जैसे 100 विद्यालय खोले जाने हैं तो उसमें जनसंख्या के अनुपात में सभी जातियों के लिये अलग-अलग विद्यालय खोले जाएँ। जिसमें सभी अध्यापक कर्मचारी एक ही जाति के हों और उसी जाति के विद्यार्थी भी उसमें पढ़ाई करें। इसी प्रकार चिकित्सालय भी सभी जातियों के लिए अलग-अलग खोले जाएं। उसमें सभी डॉक्टर कर्मचारी एक ही जाति के हों और उसी जाति के रोगी भी उसमें इलाज कराएं। इसी प्रकार रेलवे भी विभिन्न जातियों की जनसंख्या के अनुपात में अलग-अलग ट्रेनें चलाए। जिस ट्रेन में जिस जाति के कर्मचारी हों उसी जाति के यात्री भी उसमें यात्र करें। आदि आदि । इससे विद्यालय, चिकित्सालय आदि में कर्मचारियों में आपस में घृणा का वातावरण भी नहीं रहेगा। यह मेरा अपना विचार है, इसमें किसी का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

-सरल

सांस्कृतिक विरासत को संजोने वाले राजन राम

दीवान सिंह कठायत

बेरीनाग। ग्राम काण्डे में जन्मे राजन राम अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोने में योगदान देने वाले ईमानदार युवा हैं। राजन अपनी प्रतिभा के बल पर बचपन से ही क्षेत्र के अग्रणीय लोक कलाकार के रूप में ख्याति प्राप्त हैं।

ग्राम काण्डे, पो0 काण्डे किरौली (बेरीनाग) में पिता पनीराम माता श्रीमती रेवती देवी घर 25 जून 1979 को जन्मे इस कलाकार की शैक्षिक योग्यता एम.ए.अर्थशास्त्र, बीएड है। अपनी धुन के पक्के राजन ने बचपन से ही अपनी लोक विरासत को आत्मसात किया और वह वर्तमान के सांस्कृतिक मंचों के फेर में नहीं पड़े बल्कि परम्परागत रूप से होने वाले मेलों में अपनी परम्परा को निभाते रहे हैं।

चार भाई-बहिनों के संयुक्त परिवार में जन्मे राजन राम दूसरे स्थान पर हैं। शिक्षित युवा कलाकार अपनी संस्कृति को संजोने में सतत प्रयासरत हैं। चांचरी व भगनौल गायक, रचनाकार व सुर ताल के मर्मज्ञ राजन रामायण-महाभारत की कहानियों को कुमाउंनी भाषा में अपना स्वर देकर जीवन्त करते हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

कोटाबाग में कृषि संकाय खुलेगा

रामनगर। राजकीय महाविद्यालय कोटाबाग पधारे उच्चशिक्षा मंत्री डॉ.धनसिंह ने कहा कि कृषि आधारित पढ़ाई व खेतों में प्रयोग के लिये कोटाबाग महाविद्यालय में कृषि संकाय खोला जाएगा। उन्होंने महाविद्यालय विकास के लिये 5 करोड़ रुपये की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि कोटाबाग क्षेत्र खेती-किसानी के लिये जाना जाता है और यहाँ कृषि विषय की मांग पहले से की जा रही थी।

पूर्णागिरी धर्मशालाओं के कर्मियों का सत्यापन

चम्पावत। पूर्णागिरी धाम में शारदीय नवरात्र में लोगों की आवत जारी है। इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सभी धर्मशालाओं के कर्मचारियों का सत्यापन किया है। इसके लिये पहले ही बैठक कर पुलिस द्वारा सबको सूचित कर दिया गया था।

टिहरी झील के पास मांस परोसना बंद हो

टिहरी। टिहरी झील में भगीरथी नदी में व्यावसायिक गतिविधियां चला रहे संचालकों द्वारा मासांहारी भोजन परोसे जाने पर ज्योर्तिमठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती महाराज ने नाराजी प्रकट करते हुए झील व आसपास मांस परोसने पर पाबन्दी लगाने की मांग की है। इसके लिये उन्होंने जिलाधिकारी को पत्र भेजते हुए राज्यपाल व मुख्यमंत्री को इसकी प्रति भेजी है।

बिना अनुमति लगे शटर उखाड़े

जसपुर। सुभाष चौक के पास नगर पालिका की दो दुकानों में अज्ञात व्यक्ति द्वारा पुराने शटर के ऊपर अपने नये शटर लगा दिये जाने की सूचना पर नगर पालिका ने शटर उखाड़ डाले। ईओ ने बताया है कि पालिका दुकानों का किराया जमा न होने पर विगत दिनों दुकानदारों से दुकान खाली कराने को कहा गया था लेकिन नए शटर लगाने का पता चला। शटर किसने लगाये यह पता नहीं है।

यशपाल नहीं लड़ेंगे लोस चुनाव

काशीपुर। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने नैनीताल-उधमसिंह नगर लोकसभा सीट अथवा अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ लोकसभा सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने की चर्चाओं को विराम दिया है। श्री आर्य ने कहा कि वह टिकट की दौड़ में नहीं हैं बल्कि प्रदेश की पाँचों लोकसभा सीटों पर अधिकृत कांग्रेस प्रत्याशी के लिये चुनाव प्रचार करेंगे।

डेंगू का प्रकोप अभी थमा नहीं है

डेंगू का प्रकोप अभी थमा नहीं है। उत्तराखण्ड में सभी जनपदों से लगातार इस बात की सूचनाएं मिल रही हैं कि नए मरीज पाए गए। इसलिये चिकित्सा विभाग की ओर से सभी से विशेष सतर्कता की अपील की गई है।

पर्वतारोहियों को दिया जाएगा समुचित सम्मान : रेखा आर्य

उत्तरकाशी। कबीना मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि पर्वतारोहण के क्षेत्र में नेहरू पर्वतारोहण संस्थान की विशेषज्ञता और उपलब्धियां अद्वितीय हैं। निम ने साहस, जोखिम और रोमांच की दुनिया में बुलन्दियों के झण्डे गाड़े हैं। पर्वतारोहण के क्षेत्र में देश-दुनिया में लोगों का खासा रुझान बढ़ा है। पर्वतारोहियों को समुचित सम्मान और प्रतिनिधित्व दिए जाने के लिए पूरा प्रयास किया जाएगा।

खेल एवं युवा कल्याण महिला एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने संस्थान के बेसिक एवं एडवांस माउंटेनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स के दीक्षान्त समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। समारोह में एडवांस माउंटेनियरिंग कोर्स के 175 एवं बेसिक माउंटेनियरिंग कोर्स के 279 प्रशिक्षु सम्मिलित हुए। आर्य ने प्रशिक्षु पर्वतारोहियों को संस्थान का बैज प्रदान कर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष दीपक बिजल्वाण, निम के प्राचार्य कर्नल अंशुमान भदौरिया, उप प्राचार्य मेज देवल वाजपेयी, रजिस्ट्रार प्रवीण कुमार उपस्थित थे।

बालेश्वर मन्दिर का ट्रीटमेंट शुरू

चम्पावत। ऐतिहासिक बालेश्वर मन्दिर का केमिकल ट्रीटमेंट कार्य शुरु हो चुका है। पुरातत्व विभाग की देखरेख में इस पौराणिक मन्दिर को इसके स्वरूप में बनाए रखने के लिये मन्दिर का ट्रीटमेंट कार्य किया जा रहा है।

13वीं शताब्दी में स्थापित पौराणिक बालेश्वर मन्दिर का लम्बे समय बाद पुरातत्व विभाग ट्रीटमेंट कर रहा है। ऐतिहासिक और पौराणिक तथा धार्मिक महत्व के बालेश्वर मन्दिर को पुरातत्व विभाग का संरक्षण है।

चन्द शासकों द्वारा स्थापित इस मन्दिर की भव्यता देखते ही बनती है। यह जरूर है कि इसमें अभी भी बहुत कार्य होने हैं। इतिहासकार इसके बारे में लिखते और बताते रहे हैं। 1742 में रुहेलों के आक्रमण के समय इस प्राचीन धरोहर में टूटफूट हुई। जिसके अवशेष आज भी मन्दिर के पास व दूर-दूर तक दिखाई देते हैं। यहाँ भगवान शिव के अलावा भगवती, चम्पा देवी, भैरव, गणेश, काली की मूर्तियां हैं। खण्डित मूर्तियों को परिसर में ही रखा गया है। इस प्राचीन मन्दिर को केमिकल से पॉलिस करके उन्हें संरक्षित किया जाना जरूरी हो गया था। इसके लिये कार्य आरम्भ हो चुका है।

पूर्णागिरी : भण्डारा सुविधा शुल्क

टनकपुर। पूर्णागिरी धाम में भण्डारा लगाने वाले श्रद्धालुओं से सुविधा शुल्क लिया जायेगा। उपजिलाधिकारी ने बैठक में अधिकारियों से नवरात्र में व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने को कहा।

बैठक में बताया गया कि मुख्य मेले के दौरान पूर्व एसडीएम ने भण्डारे का सुविधा शुल्क बन्द कर दिया था लेकिन यह लिया जायेगा ताकि इस राशि से स्वच्छकों को सफाई हेतु भुगतान किया जा सके। जिला पंचायत को निर्देशित किया गया है कि शौचालय और बाटनागड़ मार्ग में अन्धेरा अधिक होने के कारण बिजली, पानी और पुलिस की उचित व्यवस्था हो। बैठक में सीओ अविनाश वर्मा, कोतवल चन्द्र मोहन सिंह, जिला पंचायत एएसए भगवत पाटनी, मन्दिर समिति अध्यक्ष किशन तिवारी, उपाध्यक्ष नीरज पाण्डे, ईओ भूपेश प्रकाश मौजूद थे।

आतंकियों को पनाह की जांच

रुद्रपुर। पुलभट्टा के सरौलीकला में दो साल पूर्व किराये के कमरे में पनाह लेने वाले आर्तकियों की स्थानीय स्तर पर क्या पकड़ थी, इसकी जांच जारी है। दिल्ली की स्पेशल सेल की पकड़ में आए आतंकी मो.शहनवाज और रिजवान ने किच्छा के सिरौलीकला में किराये के मकान में तीन दिन रुकने की बात स्वीकारी थी, इसके बाद से स्थानीय पुलिस पूरे प्रकरण की गम्भीरता से पड़ताल कर रही है। बताया गया है क आर्तकियों की पकड़ के बाद जब पता चला कि 2021 में यह लोग सिलौलीकला में किराए पर रहते थे, मकान मालिक से पूछताछ की गई। मकान मालिक ने पहचानने से इन्कार कर दिया। छानबीन में पता चला कि कमरे के लिये 1100 रुपये और आईडी मांगने पर दोनों ने चौथे दिन कमरा छोड़ दिया था। मामले में एसपी के नेतृत्व में सीमा से लगे सम्वेदनशील जगहों पर सत्यापन किया जा रहा है। एसएसपी ने कहा है कि यह सम्वेदनशील मामला है लिहाजा हर गतिविधियों पर निगरानी है।

बच्चों का शोषण, सुनकर सभी हैं दंग

हल्द्वानी। गौलापार क्षेत्र में 'नैब' नाम से दृष्टिबाधित बच्चों को सहारा देने के लिये चल रही संस्था के मुखिया श्याम धानक पर बच्चियों के साथ शोषण का खुलासा होते ही हर कोई दंग है। समाज सेवा के नाम पर 62 वर्षीय संस्था प्रमुख क्या कर रहा था, इसी बात की चर्चा चारों ओर है। मंत्री, विधायक, अधिकारी व प्रतिष्ठित लोग दृष्टिबाधित बच्चों को मदद देने के लिये संस्था में जाकर खासा चन्दा भी देते थे और उन्हें भरोसा था संस्था के प्रमुख श्याम सिंह मसीहा बनकर कार्य कर रहे हैं लेकिन जैसे ही इनकी हरकतों का पर्दा खुला है हर कोई चिन्ता करने लगा है कि इस प्रकार के बच्चे अब कहां सुरक्षित होंगे। बाल आयोग ने रिपोर्ट तलब करते हुए सख्ती दिखाई है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों की एक समिति गठित की है जो बालिकाओं के मानसिक, शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत विकास का परीक्षण करेगी।

नगला बचाओ आन्दोलन, राहत भी

लालकुआ। नगला के अतिक्रमण के मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने फिलहाल एक माह की राहत दी है। आदेश में कहा है कि नगला मामले में व्यापारियों व स्थानीय ग्रामीणों की ओर से जिला न्यायालय में दर्ज अपीलों की सुनवाई चार सप्ताह में पूरा करें। पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने धरना स्थल पर जाकर आन्दोलनकारियों को यह जानकारी दी। कहा कि जिला प्रशासन की एकतरफा कार्रवाई के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई में चार सप्ताह का समय है और अब वह पूरी तैयारी व मजबूती के साथ अपनी बात रखेंगे।

बताते चलें कि जिला प्रशासन की ओर से नगला में अतिक्रमण हटाने के लिये जारी किये गये नोटिस के बाद से प्रदर्शन धरना जारी है। नगला बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले सैकड़ों लोग नियमित आन्दोलन कर रहे हैं। कोर्ट द्वारा अपनी बात रखने का अवसर देने के बाद प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पूरी जीत मिलने तक धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। वर्षों से बसे लोगों को नहीं हटाया जाए।

डॉ.तितियाल बने डीन रिसर्च

धारचूला। एम्स नई दिल्ली में कार्यरत सर्जन पद्मश्री डॉ. जीवन सिंह तितियाल को डीन रिसर्च बनाया गया है। एम्स की एडिशनल डायरेक्टर प्रशासन मनीषा सक्सेना ने उन्हें पत्र भेजा है। दारमा घाटी के तिदांग निवासी डॉ. तितियाल प्रसिद्ध सर्जनों में गिने जाते हैं जिन्हें रं रत्न से भी सम्मानित किया गया है।

बिजरानी और गर्जिया में सफारी

रामनगर। कार्बेट पार्क के बिजरानी और गर्जिया जोन में जंगल सफारी शुरु हो चुकी है। जून में बन्द हुए पार्क को पर्यटकों के लिये खोल दिया गया है। आमडण्डा गेट और रिंगौड़ा गेट से पर्यटकों के लिये जंगल सफारी का रास्ता खुला है। प्रात: और सायं 30-30 जिप्सियों को इसमें प्रवेश दिया जायेगा। बताया गया है कि ढिकाला पर्यटक जोन 15 नवम्बर से पर्यटकों के लिये खोला जायेगा। बरसात में पर्यटकों की सुरक्षा को देखते हुए इन्हें बन्द कर दिया जाता है।

परिक्रमा

हेमकुंड कपाट शीतकाल हेतु बन्द

चमोली। हेमकुण्ड साहिब के कपाट शीतकाल हेतु बन्द हो चुके हैं। गुरुद्वारा प्रबन्धक ट्रस्ट के अध्यक्ष स. सेवा सिंह ने बताया कि हुक्मनामा पढ़ने के पश्चात पंच प्यारों और सेना के इंजीनियर कोर की बैंड की अगुवाई में श्री गुरुग्रन्थ साहिब को सचखण्ड में सुशोभित किया गया। इस अवसर पर ढाई हजार से ज्यादा श्रद्धालु उपस्थित थे।

साहित्यकार ढौंढियाल का चिट्ठी सम्मान

कोटद्वार। आर्य गिरधारीलाल महर्षि दयानन्द ट्रस्ट की बैठक में गढ़ भाषा को समर्पित चिट्ठी संस्था द्वारा वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. नन्दकिशोर ढौंढियाल को चिट्ठी सम्मान 2023 से सम्मानित किये जाने पर हर्ष व्यक्त किया। गढ़वाली चौक पर आयोजित बैठक में साहित्यांचल कोटद्वार के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश नैथानी ने बताया कि ढौंढियाल की हिन्दी संस्कृति की 168 पुस्तकें हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पीएम के साथ मधुर यादें

धारचूला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दौरा एक सप्ताह भर से ज्यादा समय बीत चुका है लेकिन उनके साथ समय बिताने वाले, उनसे मिलने वाले, उन्हें देखने वाले गदगद हैं। आदि कैलास से लेकर जागेश्वर तक जाने वाले पहले प्रधानमंत्री के रूप में मोदी का मान तो बढ़ा ही है। प्रचार-प्रसार की जिस तकनीक को मोदी की केन्द्रीय टीम ने अपनाया है उसमें कोई सन्देह नहीं कि मोदी जिस भी जगह जा रहे हैं उसका प्रचार कम होगा। मोदी के दौरे से पर्यटन के क्षेत्र में नई राह दिखाई दे रही है। मोदी मैजिक में उनके साथ जुड़े लोग मधुर यादों को बता रहे हैं। उनके स्वागत सत्कार से लेकर किसी भी प्रकार की बातचीत में शामिल लोगों के वह पल हमेशा के लिये यादगार तो है ही। रंगा-व्यंथला पहनाने वाले, पूजा करवाने वाले धामी, पारम्परिक वाद्ययन्त्र बजाने वाले, कैलास हैलीपैड से लेकर जगह-जगह स्वागत के लिये जुटे प्रमुख लोगों के अलावा सेना के जवान मोदी की अदा की चर्चा करते नहीं अघा रहे हैं।

उत्तराखण्ड संस्कृति विभाग को समुद्र तल से 5338 फुट ऊँचाई पर 2700 छलिया नर्तकों को एक साथ प्रस्तुति पर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड का अवार्ड भी मिल चुका है। यह सुनकर छलिया नर्तक भी खुश हैं।

पाँचवे धाम के रूप में मर्तोली की नन्दामाई को भी स्थापित करने का सपना

प्रधानमंत्री के दौरे में पाँचवे धाम के रूप में आदि कैलास, गौरी कुण्ड, जागेश्वर की घोषणा को लेकर कहा जा रहा था लेकिन इस प्रकार की कोई घोषणा नहीं हुई। अलबत्ता मानसखण्ड को विकास की बात हुई है। यह भी बताते चलें कि जोहार घाटी के मर्तोली स्थित मर्तोली की नन्दामाई को भी पाँचवे धाम के रूप में स्थापित करने का सपना नन्दा भक्तों का रहा है। मर्तोली में इस बार भव्य मन्दिर भी तैयार हो चुका है। मिलम तक सड़क कार्य पूरा होने के बाद यह भी दुनिया भर के श्रद्धालुओं पर्यटकों के लिये विशेष उपहार होगा।

शिव-पार्वती का भव्य मन्दिर बनेगा!

प्रधानमंत्री ने अपने दौरे में जिस प्रकार की खुशी आदि कैलास की भव्यता को देखकर जताई है उससे लग रहा है कि शिव-पार्वती का भव्य मन्दिर बनेगा। जैसा कि देश में कई जगह नव निर्माण के कार्यों व मूर्तियों का जोर दिखाई दिया है, उसे देख यह तय लग रहा है। पीएम मोदी भी शिव-पार्वती मन्दिर के भव्य मन्दिर का विचार कर चुके हैं। यह व्यास घाटी में धार्मिक पर्यटन को बढ़ाएगा।

प्रधानमंत्री के दौरे में मल्ला जाहोर की चिन्ता नहीं दिखी

जोहार घाटी के लिये भी घोषणा हो : श्रीराम सिंह धर्मशक्तू

मुनस्यारी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ताजा उत्तराखण्ड दौरे के मायने निकाले जा रहे हैं और उनसे उम्मीद लगाए बैठे लोग यह भी समीक्षा कर रहे हैं कि आँखिर मोदी का दौरा क्या परिणाम देने वाला है। इसी क्रम में मल्ला जोहार विकास समिति की ओर से आश्चर्य प्रकट किया गया है कि पीएम दौरे में मल्ला जोहार की चिन्ता नहीं दिखी। समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू ने धारचूला मुनस्यारी के विधायक हरीश धामी को भी अपनी बात रखते हुए कहा है कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने सीमान्त क्षेत्र जूलिंग कोंग गुंजी पिथौरागढ़ जागेश्वर धाम का भ्रमण किया साथ ही 4000 करोड़ करोड़ की अनेक विकास योजनाओं का शिलान्यास किया गया परन्तु देखने में आया है कि सीमन क्षेत्र मुनस्सारी माला जोहार जो भारत तिब्बत सीमा चीन के नजदीक निवास करने वाले गाँव के विकास हेतु कोई भी योजनाओं से सम्बन्धित कार्यों का शिलान्यास नहीं किया गया जो चिन्ता का विषय है। साथ ही सरकार के द्वारा मुनस्सारी में दिनांक 12 अक्टूबर 2023 को को रोडवेज की अनेक गाड़ियां भेजे गए जबकि पिछले 6 महीने से रोडवेज की कोई भी गाड़ी मुनस्यारी में नहीं चल रही है उनका कहना है कि सड़क की हालत खराब है जिसके कारण रोडवेज की बसें नहीं भेज सकते हैं परन्तु 12 तारीख को सड़क की दशा कैसे दुरुस्त हो गई। श्री धर्मशक्तू का कहना है कि समस्त क्षेत्रवासी जानना चाहते हैं कि

सीमान्त क्षेत्र मुनस्सारी की अनदेखी व सौतेला व्यवहार क्यों किया जा रहा है? कृपया मुनस्सारी की जनता को अवगत कराने का कष्ट करें।

डीडीहाट में कांग्रेसियों ने केन्द्र का पुतला फूंका

डीडीहाट। कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दौरे को लेकर जिले के विकास कार्यों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए केन्द्र का पुतला फूंका। ब्लाक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अध्यक्ष चंचल चौहान के नेतृत्व में गांधी चौक में विरोध प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस अवसर पर चौहान ने कहा कि पीएम के पिथौरागढ़ दौरे से सीमान्त की जनता को जो उम्मीदें थी उसमें केवल निराशा ही हाल लगी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि पीएम ने जनपद के विकास के लिये नैनीसैनी हवाई सेवा, आदि कैलास को पांचवे धाम की घोषणा, टनकपुर से जौलजीवी रेलवे लाइन निर्माण, कैलास मानसरोवर यात्रा मार्ग जैसी योजनाओं पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। प्रदर्शनकारियों में प्रदेश सचिव राजेन्द्र बोरा, ललित चुफाल, विक्रम देऊपा, कैलाश खोलिया, भूपेश बसेड़ा, गिरधर बोरा आदि थे।

भाजपा पीएम दौरे को ऐतिहासिक बता रही है

विपक्ष जहाँ पीएम दौरे को निराशाजनक बता रहा है वहीं भाजपा ने पीएम दौरे को ऐतिहासिक बताते हुए कहा है कि जिस तरह से सभा में जनता का समर्थन मिला है वह अपने आप में रिकार्ड है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट ने पीएम के दौरे को विकास योजनाओं की सौगातों से भरा और आदि कैलास को विश्व पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने वाला बताया है। कहा कि मोदी का यह ऐतिहासिक कदम राज्य के विकास को गति देने और पौराणिक पहचान को नई ऊँचाई देने वाला है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सुरेश जोशी का कहना है कि भाजपा के आह्वान पर चारों ओर से लोग मोदी की सभा सुनने पहुँचे। पीएम मोदी के इस दौरे से मानसखण्ड का विकास होगा जिस प्रकार से केदारखण्ड का विकास हुआ है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता कालाढूंगी के विधायक बंशीधर भगत कहते हैं कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को प्रधानमंत्री मोदी की सीमान्त जनपद पिथौरागढ़ एवं अल्मोड़ा भ्रमण का नफा-नुकसान अपने स्थानीय नेताओं से भलीभांति मालूम कर ही बयानवीर बनना चाहिये था। विपक्ष पीएम दौरे को राजनीति बता रहे प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत पर पलटवार करते हुए भगत ने कहा कि इन नेताओं को मानसिक शान्ति के लिये योग-ध्यान करना चाहिये।

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य एवं अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष सुरेश भट्ट ने पीएम मोदी का दौरा ऐतिहासिक बताते हुए

कहा कि इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। मंत्री सतपाल महाराज कह रहे हैं पीएम के प्रयासों से अगला दशक उत्तराखण्ड का ही है।

अजब गजब

आंखिरकार उत्तराखण्ड विधानसभा सचिवालय द्वारा लोकसूचना अधिकार के तहत मांगी गई सूचना का जवाब पाँच माह बाद दे दिया है

हल्द्वानी। आँखिरकार उत्तराखण्ड विधान सभा सचिवालय द्वारा लोकसूचना अधिकार के तहत मांगी गई सूचना का जवाब पाँच माह बाद दे दिया है। आरटीआई कार्यकर्ता रमेश चन्द्र पाण्डे ने इस पर हैरानी जाहिर करते हुए कहा है कि मांगी गई सूचना न देकर लोकसूचना अधिकारी द्वारा जो गोलमोल जवाब दिया है उससे विधानसभा सचिवालय की कार्यप्रणाली पर गम्भीर सवाल खड़े हो गये हैं।

हल्द्वानी के देवकीबिहार निवासी रमेश चन्द्र पाण्डे ने 25 अप्रैल को विधानसभा सचिवालय के लोकसूचना अधिकारी को आवेदन भेजकर दो बिन्दुओं पर सूचना मांगी थी। विधान सभा सचिवालय के अनुसचिव/लोक सूचना अधिकारी मनोज कुमार द्वारा 4 अक्टूबर को श्री पाण्डे को पत्र भेजकर उनके उक्त आवेदन पत्र का प्रत्युत्तर दिया है। पत्र के अनुसार मांगी गई सूचना (1) क्या उत्तराखण्ड विधानसभा सचिवालय के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के विभागीय ढांचा/ वेतनमान के सन्दर्भ में समिति का गठन किया गया है, यदि हाँ तो समिति के अध्यक्ष का नाम एवं समिति के सदस्यों के नाम। (2) विधानसभा सचिवालय द्वारा 31 मार्च 2023 को प्रमुख सचिव/सचिव विधान सभा सचिवालय गुजरात/ झारखण्ड/ उत्तर प्रदेश को भेजे गये पत्र (जिसके द्वारा समिति के सदस्यों को ढांचे/ वेतनमान के अध्ययन हेतु भेजे जाने की सूचना दी गई है) की सत्य प्रतिलिपि एवं इस बावत पत्रवली के नोट/ टिप्पणियों की सत्यप्रतिलि।

उक्त के प्रत्युत्तर में कहा गया है कि बिन्दु संख्या (1) एवं (2) के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि अध्यक्ष वेतन विसंगति समिति उत्तराखण्ड द्वारा विधान सभा सचिवालय के ढांचे के सम्बन्ध में कार्यवाही की जा रही है, जो वर्तमान में गतिमान है ।

पत्र में कहा गया है कि श्री पाण्डे का सूचना चाहने बावत 25 अप्रैल का आवेदन पत्र राज्य सूचना आयोग के माध्यम से विधानसभा सचिवालय में 12 जून को प्राप्त हुआ था।

गौरतलब है कि श्री पाण्डे द्वारा लोक सूचना अधिकारी को प्रेषित उक्त आवेदन का लिफाफा 15 मई को उन्हें इस टिप्पणी के साथ वापस मिला कि विभाग का नाम अवश्य लिखें ,पता अपूर्ण है।

श्री पाण्डे ने वापस प्राप्त इस लिफाफे को यथावत राज्य सूचना आयोग को भेजते हुए उनसे सूचना दिलाने का आग्रह किया था और आयोग के अनुसचिव/ लोक सूचना अधिकारी ने 6 जून को इसे विधान सभा के लोक सूचना अधिकारी को भेजकर सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। विधान सभा के लोक सूचना अधिकारी ने सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 5(4) एवं 5(5) के तहत सूचना उपलब्ध कराने हेतु पत्रवली संख्या 38 विधान सभा के अधिष्ठान अनुभाग को सन्दर्भित की गई थी ।

30 दिन व्यतीत होने के बाद भी सूचना नहीं देने पर अधिष्ठान अनुभाग के अनुभाग अधिकारी को 14 जुलाई को पहला अनुस्मारक भेजा गया जिसकी प्रति श्री पाण्डे को भी की गई ।

इसके बाद अधिष्ठान अनुभाग को क्रमशः 4 अगस्त को दूसरा , 29 अगस्त को तीसरा और 19 सितम्बर को चौथा अनुस्मारक भेजा गया ।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

श्रीमती दमयन्ती जंगपांगी

फेस-2 सुरभि कालोनी, हल्द्वानी

सी.एस.मर्तोलिया

(रिटा.कमांडेंट)

हिलव्यू काटेज, जोहार नगर, हल्द्वानी

खजान गुड्डू

पूर्व दर्जा मंत्री उत्तराखण्ड

गंगोलीहाट-बेरीनाग विधानसभा क्षेत्र

मुनस्यारी यूथ वेलफेयर एसोसिएशन के कार्यालय का उद्घाटन, कैरियर काउंसलिंग

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

हल्द्वानी। मुनस्यारी यूथ वेलफेयर एसोसिएशन का जोहार नगर में उद्घाटन के साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं की काउंसलिंग हुई। कार्यालय का उद्घाटन जोहार शौका महिला संगठन अध्यक्ष श्रीमती बसंती टोलिया द्वारा किया गया। कैलाश धर्मशक्तू के संचालन में हुए कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक नरेन्द्र सिंह जंगपांगी, नवराज सिंह पांगती, देवेन्द्र सिंह धर्मशक्तू, भूपेन्द्र सिंह पांगती, धीरेन्द्र सिंह पांगती, यतेन्द्र सिंह, नवीन टोलिया, श्रीमती नन्दा टोलिया, डा. एन एस पांगती, डा. नेत्र सिंह टोलिया, श्रीराम सिंह धर्मशक्तू, डा. भानु प्रताप सिंह पांगती, राम सिंह टोलिया सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि जोहार यूथ वेलफेयर एसोसिएशन देहरादून चौप्टर के बाद हल्द्वानी में एक साल से दूसरा चौप्टर आरम्भ कर चुका था। इसमें दूरस्थ क्षेत्र के मेधावियों को उनकी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन किया जाता है। संस्था द्वारा अभी 19 युवाओं को पुस्तकालय सुविधा सहित अन्य सहयोग कर प्रोत्साहित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में प्रतियोगी परीक्षा पास कर चुके युवाओं के अलावा अपने पठन-पाठन और तैयारी कर रहे छात्र छात्राओं ने परिचय देने के साथ ही अपने अनुभव साझा किये। साथ ही इस बात पर प्रसन्नता जताई कि उनकी बात सुनने-समझने के लिये एक मंच है।

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते- जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)